वीयू – रूसी छात्राओं का अभिनंदन एवं विदाई कार्यक्रम

आज नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में माननीय कुलपति प्रो. एस. पी. तिवारी जी के प्रतिनिधित्व में एग्जिट मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें रूस की नवोब्रिक्स स्टेट एग्रिकल्चर यूनिवर्सिटी से भारत प्रवास पर आई छात्राओं द्वारा नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में भ्रमण के दौरान उनके व्यक्तिगत अनुभव का पावर प्वाइंट

द्वारा प्रस्तुतिकरण एवम् रूसी छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया, विगत माह में स्टुडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के अन्तर्गत नवोब्रिक्स यूनिवर्सिटी से तीन छात्राएं अपने सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक भ्रमण पर थी, पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सुश्री पॉलिन ने बताया की विश्वविद्यालय में वाइल्डलाइफ एवं फॉरेंसिक हेल्थ, विस्तार विभाग उनके लिए एक नया अनुभव था। डेयरी, पोल्ट्री, फिशरी की फार्म विजिट उनके लिए रोमांचक रही, निजी तथा प्रायोगिक तौर पर उन्हे बहुत अधिक सीखने को भी मिला, भ्रमण के साथ–साथ जबलपुर व रीवा प्रवास के दौरान पशुचिकित्सा महाविद्यालय रीवा द्वारा किया गया स्वागत एवम् वहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर में सफेद शेर देखना, उनके जीवन के अविस्मरणीय क्षणों में सम्मिलित हो गया है, विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त सुविधा, सम्मान, एवम् समय के लिए छात्राओं ने विशेष आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. एस.पी. तिवारी ने अपने उद्बोधन में ऐसे प्रोग्राम को छात्रों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक हित में बताते हुए कहा की इससे न सिर्फ़ छात्रों के प्रायोगिक एवम् शोध कार्यों को बल मिलेगा अपितु पाठ्यक्रम एवम् शोध पत्रों के प्रकाशन जैसी विधियों में भी नए आयाम स्थापित होंगें। कुलपति महोदय ने तीनो रूसी छात्रों को बधाई तथा शुभकामनाएं

दी। विषय विशेष की जानकारी कुलसचिव, डॉ. श्री कांत जोशी जी द्वारा दी गई। अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज डॉ. आर.के. शर्मा ने छात्रों के द्वारा किए गए भ्रमण की जानकारी दी। विश्वविद्यालय तीनों अतिथि छात्राओं को माननीय कुलपति जी द्वारा प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

गौरतलब है कि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर एवं रूस की नोवोब्रिक्स स्टेट एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के मध्य हुए अनुबंध के तहत स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम में रूस से आयी छात्राएं डियाना, लीज़ा व पोलिना ने विगत 25 दिनों में पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर का भ्रमण किया। इस दौरान इन छात्राओं ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में चल रहे शोध कार्यो के बारे में जाना एवं उससे सम्बंधित विचारो का आदान प्रदान किया।

पशु चिकित्सा परिसर में इन छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के रोगो से ग्रसित पशुओं का परीक्षण एवं उनका इलाज भी किया, विषय विशेषज्ञों द्वारा इन छात्राओं को कैंसर, ब्लड ट्रांसफूजन, ई.सी.जी, अल्ट्रासोनोग्राफी, सी. टी. स्कैन एवं एक्स–रे जैसे अतिमहत्वपूर्ण विषयो पर व्याख्यान के साथ–साथ हैंड्स ऑन प्रैक्टिस भी कराई गयी। छात्रों ने ऑपरेशन थिएटर का भी भ्रमण किया एवं शल्य क्रिया से सम्बंधित व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त कियां

पेट पार्लर की विजिट के दौरान छात्राओं ने श्वान के नाखून काटने में मदद की एवं पेट पार्लर में उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों का जायजा लिया। छात्राओं ने पशु औषधि विभाग में उपस्थित थनैला प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया एवं रूस में थनैला बीमारी पर चल रहे शोध कार्यो के बारे में चर्चा की।

पशु औषधी विज्ञान विभाग में विजिट के दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की हर्बल औषधियों के बारे में जाना एवं उनको बनाने में उपयोग आने वाले उपकरणों की कार्यप्रणाली को भी जाना। छात्राओं ने वन्य जीव एवं फॉरेंसिक स्वास्थ्य विभाग का भी भ्रमण किया एवं वहाँ उपस्थित मॉलिक्यूलर प्रयोगशाला में पीसीआर एलिसा जैसी तकनीकों के बारे में बारीकी से सीखा,

पशु शरीर रचना विभाग में विजिट के दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के पशुओ के कंकाल, एनाटोमी संग्रहालय एवं ऊतक विज्ञान से सम्बंधित शोध कार्यो के बारे में जाना। पशु आनुवंशिकी और प्रजनन विभाग में छात्राओं को वहाँ चल रहे शोध कार्यो के बारे में बताया गया एवं भारत में प्रचलित कुछ प्रमुख पशु नस्लों के बारे में जानकारी दी गयी। पशु पोषण विभाग में छात्राओं को पशुओ के पोषण से सम्बंधित शोध कार्यो के बारे में जानकारी दी गयी एवं विभिन्न उपकरणों के बारे में भी बताया गया।

पशु सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की विजिट के दौरान छात्राओं को जीवाणु अलगाव एवं उनकी पहचान के बारे में व्यावहारिक ज्ञान दिया गया छात्राओं ने भी जीवाणु प्रयोगशाला में काम करने में रूचि दिखाई एवं वहाँ चल रहे शोध कार्यो के बारे में जाना। पशु परजीबी विज्ञान विभाग में भी छात्राओं ने भ्रमण किया एवं वहाँ चल रहे शोध कार्यो के बारे में जाना। परजीवी प्रयोगशाला में संगृहीत किये गए विभिन्न परजीवियों के बारे में छात्राओं को बताया गया। पशु विकृति विज्ञान विभाग में छात्राओं को पोस्ट मॉर्टम करके दिखाया गया एवं उसकी प्रकिया के बारे में विस्तार से समझाया गया। पोस्ट मॉर्टम के दौरान पशु शरीर में मिलने वाले विभिन्न परिवर्तनों एवं उनसे सम्बंधित बीमारियों के बारे में जानकारी दी गयी।

पशुपालन एवं कृषि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान छात्राओं ने वहाँ उपस्थित विभिन्न नस्लों की गाय, भैंस, बकरी एवं सूकर को देखा एवं उनके दिन भर के क्रियाकलापों के बारे में जाना। छात्राओं को पशुधन की देखभाल एवं रखरखाव के बारे में जानकारी दी गयी। कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में भ्रमण किया, जिसके दौरान कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र मो कड़कनाथ, नर्मदा निधि, टर्की तथा बटेर प्रजाति देखी जो की आज के दौर में बहुत प्रचलित प्रजातियां हैं तथा पसंद की जाती है, उनका पालन तथा प्रबंधन देखकर रोमांचित हो उठे। आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन तकनीक को भी उन्होंने डेमोंसट्रेशन के माध्यम से जाना। कुक्कुट पालन विषय संबंधी जानकारी डॉ. जी. गोयल द्वारा दी गई, इसके बाद मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में विभिन्न विभागों, प्रयोगशाला क्रियान्वयन तथा उपयोगी उपकरण के साथ मत्स्य विज्ञान विषय के प्रयोग में लाई जाने वाली तकनीकी को भी समझा, इसके साथ ही विभिन्न राज्यों की राजकीय मछली, पेन तथा केज कल्चर माडल, प्रयुक्त होने वाले जाल, विभिन्न प्रजातियों के मछली सैंपल,मात्स्यिकी पुस्तकालय, स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लेबोरेटरी, तथा सॉइल सैंपलर, ऑर्नेमेंट एक्वरियम एवम् उनकी विभिन्न प्रजातियों को भी देखा, मत्स्य पालन प्रक्षेत्र के भ्रमण में हैचरी, मछली पालन के नर्सरी, रियरिंग स्टॉकिंग तालाबों का अवलोकन करते हुए, मत्स्य पालन पद्धति एवम् प्रबंधन को समझा, साथ ही मछली से बने उत्पाद फिश कटलेट, चकली एवम् कुकीज जैसे रुचिकर उत्पादों का स्वल्पाहार पाकर प्रसन्नता भी जाहिर की, विश्व मत्स्यकी दिवस पर स्लोगन भी लिखा तथा भारतीय कॉर्प प्रजाति की मछलियों के बीज भी आधारताल स्थित तालाब में छोड़े

इस एजुकेशन एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत रूस से आयी इन छात्राओं ने महाविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक वर्षो में अध्ययनरत छात्र छात्राओं से भी मुलाकात की एवं उनसे पढ़ाई, इनोवेटिव आइडियाज, पशुओ के इलाज इत्यादि विषयों पर विचारों का आदान–प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त अतिथि देवो भव की परंपरा के अनुसार रूस से आयी इन छात्राओं को जबलपुर की संस्कृति एवं वैभव से भी रूबरू करते हुए छात्राओं को भेडाघाट, ग्वारीघाट, बरगी डैम, चौसठ योगिनी मंदिर एवं डुमना नेचर पार्क जैसे जबलपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी. संचालक अनुसंधान डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक शिक्षण डॉ सुनील नायक, अधिष्ठाता वेटरनरी कॉलेज डॉ. आर.के. शर्मा, प्रक्षेत्र संचालक डॉ. जी.पी. लखानी, अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय डॉ. एस.के. महाजन, संचालक वाइल्डलाइफ डॉ. शोभा जवारे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक डॉ गिरिधारी दास, संचालक बायोटेक्नोलॉजी डॉ. अजीत सिंह, डॉ कारमोरे, डॉ रॉय, डॉ. घोष, डॉ. रामकिंकर मिश्र, डॉ. गर्ग, डॉ. पूनम शाक्य, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे डॉ. आर.पी. सिंह तथा रसिया भ्रमण पर गई नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की छात्राएं, कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

मंच संचालन डॉ. अपूर्व मिश्रा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर